PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया
हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)
■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, रविवार, 30 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

वाह रे बिजली विभाग: कनेक्शन मिला नहीं
किसान को थमा दिया 4.5 लाख का बिल आयोग ने किया रद्द

किसान ने निजी ट्यूबवेल के लिए बिजली कनेक्शन का आवेदन किया था। करीब तीन लाख रुपये एस्टीमेट राशि जमा कराई गई। विभाग ने मौके पर डबल पोल और ट्रांसफार्मर भी लगा दिया, लेकिन लाइन चालू नहीं की गई। चेकिंग के नाम पर उसके खिलाफ बिजली चोरी की कार्रवाई करते हुए 4,50,583 रुपये का प्रोविजनल असेसमेंट थमा दिया गया। अलीगढ़ जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बिजली विभाग को झटका देते हुए किसान पर लगाए गए 4,50,583 रुपये के प्रोविजनल असेसमेंट को रद्द कर दिया। आयोग ने मानसिक उत्पीड़न के लिए विभाग को 50 हजार रुपये मुआवजा और 25 हजार रुपये वाद खर्च देने का आदेश दिया है। साथ ही तत्कालीन एक्सईएन अखिलेश कुमार समेत संबंधित अधिकारियों पर रिश्वत मांगने के आरोपों की विभागीय जांच कराने के निर्देश दिए हैं। आदेश का पालन 30 दिन में करना होगा। हाथरस जिले के सुसायत कलां गांव निवासी पीयूष अग्रवाल के दिवंगत पिता महेश अग्रवाल ने 2018 में कृषि भूमि पर 10 बीएचपी के निजी ट्यूबवेल के लिए बिजली कनेक्शन का आवेदन किया था। इसके लिए करीब तीन लाख रुपये एस्टीमेट राशि जमा कराई गई। विभाग ने मौके पर डबल पोल और ट्रांसफार्मर भी लगा दिया, लेकिन लाइन चालू नहीं की गई।

शिकायत के मुताबिक, तत्कालीन अधिशासी अभियंता अखिलेश कुमार और जूनियर इंजीनियर ने कनेक्शन चालू करने के नाम पर एक-एक लाख रुपये रिश्वत मांगी। किसान ने रकम देने से इनकार किया तो 5 मार्च 2018 को चेकिंग के नाम पर उसके खिलाफ बिजली चोरी की कार्रवाई करते हुए 4,50,583 रुपये का प्रोविजनल असेसमेंट थमा दिया गया। महेश अग्रवाल ने कार्रवाई के खिलाफ अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन मामला नहीं सुलझा। इसी दौरान 7 दिसंबर 2020 को उनका निधन हो गया। इसके बाद बेटे पीयूष अग्रवाल ने कानूनी लड़ाई जारी रखी। आयोग के अध्यक्ष हसनेन कुरैशी, सदस्य आलोक उपाध्याय और पूर्णिमा सिंह राजपूत की पीठ ने मामले की सुनवाई में पाया कि चेकिंग के दौरान मौके की वीडियोग्राफी नहीं कराई गई और उपभोक्ता को सुनवाई का उचित अवसर भी नहीं दिया गया।

कैंसर की पहचान करना सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. सूद

कैंसर की समय पर पहचान और रोकथाम के लिए आयोजित हो रहे दो दिवयीय फोगसी प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2026 का शुभारंभ शनिवार को होटल रामाडा में हुआ। आयोजन अध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी सूद और प्रो. तमकीन खान ने बताया कि कैंसर की रोकथाम के लिए समय पर जांच होना बहुत जरूरी है। महिलाओं में होने वाले कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाकर और समय पर जांच कराकर इस गंभीर बीमारी को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर सहित महिलाओं में होने वाले विभिन्न कैंसर की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर विस्तार से चर्चा की। यहां पीजी रेजिडेंट्स और युवा चिकित्सकों के लिए शैक्षणिक सत्र किए गए। आयोजन सचिव डॉ. अलका मित्तल, डॉ. नम्रता भारद्वाज और डॉ. सुंबुल नईम ने बताया कि यह सम्मेलन चिकित्सकों के लिए अनुभव और ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। यहां पर विशेषज्ञ व्याख्यान, पैनल डिस्कशन, कार्यशाला और इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से उपचार की पद्धतियों पर चर्चा की जाएगी। स्क्रीनिंग, एचपीवी वैक्सीनेशन, स्तन एवं स्त्री रोग संबंधी कैंसर और प्री-इनवेसिव बीमारी के प्रबंधन की जानकारी दी जा ही है। दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव 30 अगस्त तक जारी रहेगा। इसकी थीम लर्न द पावर ऑफ कैंसर प्रिवेंसन है। शुभारंभ फोगसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. भास्कर पाल, डॉ. प्रीति कुमार (वीपी नॉर्थ जोन), डॉ. अंजू सोनी (वीपी वेस्ट जोन) ने किया। यहां पर विभिन्न राज्यों से आए 200 से अधिक स्त्री रोग विशेषज्ञों और 125 से अधिक पीजी रेजिडेंट्स ने भाग लिया।

Aligarh News: रानी लक्ष्मीबाई योजना के मानकों पर उठे सवाल

हाथरस रोड पर व्यापारियों की हुई बैठक में सामाजिक मुद्दों, आरक्षण व्यवस्था, मुख्यमंत्री स्कूटी योजना तथा बढ़ती जनसंख्या आदि विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में व्यापारी नेता उमाकांत अग्रवाल ने कहा कि पारंपरिक आरक्षण व्यवस्था में बदलाव किया जाना चाहिए। आरक्षण का आधार जातिगत न होकर आर्थिक होना चाहिए। इस बीच रानी लक्ष्मीबाई योजना के मानकों पर सवाल उठाए। बैठक में सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत स्नातक कक्षा की मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने की घोषणा की गई है। इसके तहत मेधावियों को गरीब व अमीर की श्रेणी में बांटा गया है। उन्होंने कहा कि इससे वंचित मेधावियों में कुंठा पैदा करने वाली पॉलिसी को उचित नहीं ठहराया जाना चाहिए। सरकार स्पष्ट करे कि योजना गरीब छात्राओं के लिए है अथवा मेधावी छात्राओं के लिए। कन्हैयालाल बंसल ने देश व प्रदेश में बढ़ रही जनसंख्या को चिंताजनक बताया।

अलीगढ़: एएमयू-नगर निगम की जमीन के स्वामित्व का मामला
500 करोड़ रुपये जमीन विवाद में अगली सुनवाई 31 अगस्त को

एएमयू व अलीगढ़ नगर निगम के बीच जमीन पर स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा है। बारिश के कारण अधिवक्ता कोर्ट नहीं पहुंच सके थे, जिसके कारण निर्धारित सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। अलीगढ़ के नगला पटवारी क्षेत्र की 3.863 हेक्टेयर जमीन को लेकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) और नगर निगम के बीच चल रहे कानूनी विवाद में एक बार फिर तारीख बढ़ गई है। 27 अगस्त को लगातार हो रही बारिश के कारण अधिवक्ता कोर्ट नहीं पहुंच सके थे, जिसके कारण निर्धारित सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। अब मामले में अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। एसडीएम कोल डॉ. गजेंद्र पाल सिंह के अनुसार, 27 अगस्त को मामले की सुनवाई होनी थी। हालांकि, अधिवक्ताओं की अचानक हड़ताल के कारण न्यायालय में केस से जुड़ी फाइल तक प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके साथ ही, विवादित भूमि पर अपना मालिकाना हक जता रहे दोनों संस्थानों की तरफ से अब तक लिखित जवाब और स्वामित्व के समर्थन में पुख्ता राजस्व अभिलेख भी दाखिल नहीं किए गए हैं।

Aligarh News: आंखों में सपने चेहरे पर मुस्कान
फिर क्यों कृष्णा ने दे दी जान

मेधावी छात्र की मौत से स्तब्ध एएमयू, दोस्तों के बीच हंसी-मजाक और स्टैंडअप कॉमेडी के लिए जाना जाता था कृष्णा अलीगढ़। शनिवार को एएमयू परिसर में हर तरफ एक ही नाम सुनाई दे रहा था—कृष्णा शर्मा। विदेशी भाषा विभाग में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र कृष्णा पढ़ाई में मेधावी था। दोस्तों के बीच हंसी-मजाक करता, स्टैंडअप कॉमेडी का शौक रखता और मॉडलिंग में अपनी पहचान बनाने का सपना देखता था।

चेहरे पर मुस्कान और आंखों में भविष्य के सपने लिए घूमने वाला कृष्णा अब दोस्तों के बीच सिर्फ याद बनकर रह गया है। जिस कृष्णा की बातों पर साथी ठहाके लगाते थे, जिसके अलग अंदाज को दोस्त पसंद करते थे, उसकी अचानक मौत ने पूरे परिसर को स्तब्ध कर दिया। शनिवार को विभाग से लेकर छात्रावासों तक छात्र एक-दूसरे से यही पूछते रहे कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि सपनों से भरी जिंदगी अचानक थम गई? कृष्णा को जानने वालों के मुताबिक वह मिलनसार और हंसमुख स्वभाव का था। पढ़ाई के साथ उसे स्टैंडअप कॉमेडी पसंद थी। वह अपने अंदाज में दोस्तों को हंसाने की कोशिश करता था। मॉडलिंग में भी उसकी दिलचस्पी थी और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देख रहा था। परिवार को भी उसके भविष्य से काफी उम्मीदें थीं। लेकिन उसकी मौत के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या मुस्कुराते चेहरे के पीछे कोई ऐसी उलझन थी, जिसे उसके करीबी भी नहीं पढ़ पाए? क्या वह किसी ऐसी परेशानी से गुजर रहा था, जिसे वह किसी से साझा नहीं कर सका? इन सवालों के जवाब अभी सामने नहीं आए हैं। प्रेम प्रसंग की भी जांच के दायरे में

पुलिस की शुरुआती पड़ताल में कृष्णा के एक युवती के संपर्क में होने की बात सामने आई है। दोनों के बीच बातचीत होती थी। युवती की उम्र कृष्णा से करीब चार वर्ष अधिक बताई जा रही है। पुलिस इस पहलू की भी पड़ताल कर रही है

अलीगढ़: अब इंसानों की जगह रोबोट और मशीनों से होगी सीवर की सफाई 1 अक्तूबर से बदलेगी शहर की तस्वीर

अब अलीगढ़ शहर में जान जोखिम में डालकर इंसानों द्वारा सीवर साफ करने का दौर खत्म होने जा रहा है और इसकी कमान संभालेंगी हाई-टेक मैकेनाइज्ड मशीनें और रोबोट। सीवर ओवरफ्लो, सड़कों पर गंदा पानी और मैनहोल चोक होने की पुरानी समस्याओं से अलीगढ़ वासियों को जल्द ही हमेशा के लिए राहत मिलने वाली है। नगर निगम ने सीवर सफाई को पूरी तरह से सुरक्षित और आधुनिक बनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब शहर में जान जोखिम में डालकर इंसानों द्वारा सीवर साफ करने का दौर खत्म होने जा रहा है और इसकी कमान संभालेंगी हाई-टेक मैकेनाइज्ड मशीनें और रोबोट। महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की विशेष पहल पर 1 अक्तूबर से शहर की सीवर सफाई व्यवस्था पूरी तरह से मैकेनाइज्ड होने जा रही है। महापौर प्रशांत सिंघल ने बताया कि इस तकनीक से शहरवासियों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से बड़ी निजात मिलेगी। वहीं, नगर आयुक्त ने जलकल के प्रभारी महाप्रबंधक अजय कुमार सक्सेना को निर्देश दिए हैं कि निगम के पास पहले से मौजूद 2 सीवर क्लीनिंग मशीनों को तुरंत चालू कराया जाए। इन्हें ट्रैक्टर-माउंटेड रूप में मॉडिफाई कर आगामी 2 साल के लिए एजेंसी के माध्यम से संचालित किया जाए। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त मशीनें खरीदने का प्रस्ताव जल्द तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। इस योजना की शुरुआत जमीनी स्तर पर परखने के लिए महापौर और नगर आयुक्त ने खुद जयंगज क्षेत्र पहुंचकर ट्रैक्टर-माउंटेड सीवर मैनहोल क्लीनिंग मशीन का लाइव ट्रायल लिया।

पहली बार लखनऊ में रालोद का बड़ा सम्मेलन

अखिलेश को जयंत की चुनौती, जाट व गुर्जर के साथ ब्राह्मणों को साधेंगे

आज लखनऊ में रालोद में शक्ति प्रदर्शन होगा। जयंत चौधरी का पहली बार यह बड़ा सम्मेलन होगा। पूर्वाचल के ब्राह्मण नेता बीके शुक्ला के साथ 1500 ब्राह्मण जुटेंगे।पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट राजनीति के जरिये अपनी पहचान बनाने वाले राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने अब ब्राह्मण मतदाताओं के बीच भी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के बीच बढ़ती तल्खी के बीच 30 अगस्त को लखनऊ में होने वाला रालोद का राष्ट्रीय सम्मेलन इसी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। सम्मेलन में करीब 1500 ब्राह्मणों को जुटाने की तैयारी है।रालोद की ब्राह्मण राजनीति में पूर्वांचल को विशेष महत्व दिया गया है। स्नातक राजनीति से जुड़े बीके शुक्ला का पार्टी से जुड़ना इसी रणनीति का हिस्सा है। शुक्ला स्नातक क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं और वित्तविहीन विद्यालय संघ के अध्यक्ष हैं। रालोद का पारंपरिक आधार पश्चिमी यूपी के जाट मतदाताओं के बीच रहा है। अब ब्राह्मणों के बीच सक्रियता बढ़ाकर पार्टी सामाजिक आधार का विस्तार करना चाहती है, जिसका लाभ मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मिल सकता है।अखिलेश यादव के रालोद को लेकर दिए गए 'चवन्नी को रुपया बनाने' वाले बयान के बाद दोनों दलों की तल्खी और बढ़ गई है। तीन सितंबर को जयंत चौधरी सहारनपुर में गुर्जर सम्मेलन करेंगे। इससे पहले लखनऊ में ब्राह्मणों की भागीदारी वाला राष्ट्रीय सम्मेलन कर रालोद 2027 के लिए अपना नया सामाजिक समीकरण पेश करेगा। पार्टी जाटों के साथ ब्राह्मण और गुर्जर मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। पूर्वांचल के कद्दावर ब्राह्मण नेता बीके शुक्ला की मौजूदगी के साथ रालोद राजधानी से सपा को सियासी चुनौती देगा। यह पहली बार है जब जयंत चौधरी लखनऊ में इतने बड़े स्तर पर पार्टी का सम्मेलन कर रहे हैं। हाल में सपा ने जनेश्वर मिश्र की जयंती के जरिये ब्राह्मण समाज को राजनीतिक संदेश दे चुकी है। ऐसे में ब्राह्मणों की बड़ी भागीदारी वाला जयंत का सम्मेलन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जयंत के मंच पर पहुंचने के दौरान 21 बटुक स्वस्तिवाचन करेंगे।

यूपी में आफत की बारिश: चित्रकूट में बाढ़

दुकानें डूबीं, रेलवे ट्रैक धंसा, प्रयागराज में गंगा उफनाई

लगातार बारिश से यूपी के कई जिलों में नदियां उफनाने लगी हैं। मध्य प्रदेश और पहाड़ी इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद शनिवार सुबह मंदाकिनी नदी ने चित्रकूट में भारी तबाही मचा दी है। इससे यूपी-एमपी का संपर्क कट गया है। रेलवे ट्रैक धंसने से ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ। वहीं, प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। पानी संगम क्षेत्र स्थित हनुमान जी के मंदिर के मुख्य द्वार और कॉरिडोर की दीवारों तक पहुंच गया है। प्रशासन लोगों के बचाव व राहत कार्य में लगा है।चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के बढ़े जलस्तर व तेज बहाव

ने शनिवार को शहर की रफ्तार रोक दी। दोपहर करीब 1:30 बजे नदी का पानी झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर कर्वी को जोड़ने वाले पुल के करीब पहुंच गया। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने पुल पर आवागमन बंद कर दिया। हाईवे बंद होने से कानपुर, प्रयागराज, बांदा, हमीरपुर समेत कई जिलों की ओर जाने और मुख्यालय आने वाले करीब 10 से 15 हजार राहगीर रास्ते में फंस गए। मंदाकिनी में आई बाढ़ से पूरा रामघाट, आरोग्य धाम पानी से भर गया है। रामघाट के आसपास की करीब 800 दुकानें पूरी तरह से डूब गईं। काफी संख्या में लोग घरों में कैद हो गए हैं और प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वहीं कुछ लोग अपना सामान लेकर ऊंचे स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। चित्रकूट-बांदा मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतना जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया गया है और सीतापुर शंख चौराहा से वाहनों को रोक दिया गया है। मानिकपुर-सतना मार्ग का कारी बराह पुल टूटा। चित्रकूट के होटलों में सैकड़ों श्रद्धालु फंस गए हैं। जो खिड़कियों और छतों से फंसे होने का वीडियो वायरल कर प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। इधर, गोबरिया में फंसे 50 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बलिया के बांसडीह विधानसभा के बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद बाढ़ राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित की। 26 जिलों में बाढ़1.71 लाख लोग प्रभावितराहत और बचाव कार्यों के लिए 447 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैंमुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के 26 जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत में आग

दिल्ली के पुराना सीलमपुर में चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गई। गांधी नगर थाना क्षेत्र की घटना में ऊपरी मंजिल पर रहने वाले एक किरायेदार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दिल्ली के शाहदरा जिले के पुराना सीलमपुर इलाके में रविवार को चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग लग गई। घटना गांधी नगर थाना क्षेत्र की है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।बताया गया कि इमारत की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले एक किरायेदार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हैं

दिल्ली के विकास की बदलेगी तस्वीर: मास्टर प्लान-2047 में पुनर्विकास पर जोर

मास्टर प्लान-2047 में दिल्ली के विकास की दिशा बदली गई है। नए क्षेत्रों के विस्तार के साथ पुराने और कम उपयोग वाले इलाकों के पुनर्विकास, सार्वजनिक परिवहन आधारित विकास, अनधिकृत कॉलोनियों के पुनर्विकास, औद्योगिक जमीन के पुनः उपयोग और भूमि पूलिंग को प्रमुखता दी गई है।वर्ष 2007 में लागू मास्टर प्लान-2021 का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के तेजी से बढ़ते शहरीकरण को नियोजित करना था। इसके तहत आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों, परिवहन, हरित क्षेत्र और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए भूमि उपयोग तय किया गया।समय के साथ राजधानी की जरूरतें बदलीं और प्लान में कई संशोधन किए गए। अब मास्टर प्लान-2047 में पिछले करीब दो दशक के अनुभव के आधार पर विकास की दिशा बदली गई है। नए प्लान में नए क्षेत्रों के विस्तार के साथ पहले से बसे और कम उपयोग वाले इलाकों के पुनर्विकास पर अधिक जोर है।मास्टर प्लान-2021 का प्रमुख उद्देश्य अनियोजित विस्तार को रोकना और अलग-अलग क्षेत्रों के लिए भूमि उपयोग तय करना था। करीब दो दशक में दिल्ली के पुराने इलाकों में आबादी और निर्माण घना हुआ है। कई

इमारतें पुरानी हो चुकी हैं और बुनियादी सुविधाओं पर दबाव बढ़ा है। मास्टर प्लान-2047 में पहले से बसे क्षेत्रों में जमीन का बेहतर इस्तेमाल कर नए मकान, सड़कें, सार्वजनिक स्थान और सुविधाएं विकसित पर जोर है। मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन गलियारों के आसपास आवास, रोजगार, बाजार और सुविधाओं को विकसित करने की नीति को भी प्रमुखता दी गई है।मास्टर प्लान-2021 में सार्वजनिक परिवहन और मेट्रो के आसपास विकास की अवधारणा को बढ़ावा दिया गया था। बाद में परिवहन आधारित विकास की नीति भी लागू हुई। प्लान-2047 में इसे भविष्य के शहरी विकास का प्रमुख आधार बनाया है। मेट्रो औरबड़े सार्वजनिक परिवहन मार्गों के आसपास आवास, रोजगार, बाजार और जरूरी सुविधाओं को एक-दूसरे के करीब विकसित करने की नीति अपनाई गई है।

उत्तराखंड: एक बार फिर सक्रिय हुआ मानसून देर रात से बारिश जारी

प्रदेश में अगले कई दिन भारी बारिश के आसारा हैं। जिसके चलते मौसम विभाग ने हिदायत देते हुए कहा कि भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोग सतर्क रहें। उत्तराखंड में एक बार फिर मानसून की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने विशेष विज्ञप्ति जारी कर 29 अगस्त से दो सितंबर तक राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।केंद्र के निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने बताया कि उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तट पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है, जो अगले 48 घंटों में और स्पष्ट होकर आगे बढ़ेगा। मानसून टर्फ अमृतसर से लेकर इस सिस्टम तक फैली है। इसके साथ ही उत्तरी पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है। इन तीन सिस्टमों के संयुक्त असर से उत्तराखंड में जमकर बारिश होने की संभावना है।30 अगस्त को देहरादून, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चमोली, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर और बागेश्वर में भारी बारिश के साथ तीव्र से अति तीव्र दौर की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 31 अगस्त को देहरादून, बागेश्वर, चमोली और नैनीताल में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चंपावत और ऊधमसिंह नगर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा एक और दो सितंबर को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, नैनीताल और हरिद्वार में भारी बारिश का अनुमान है। विभाग ने चेताया है कि भारी से बहुत भारी बारिश से भूस्खलन, चट्टान गिरने और मलबा आने की संभावना है। सड़कें और राजमार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं।निचले इलाकों में जलभराव और नदियों-गदेरों में फ्लैश फ्लड का खतरा है। कच्चे मकानों, निर्माणाधीन पुलों, धान-मक्का जैसी खरीफ फसलों को नुकसान हो सकता है। बिजली-पानी की आपूर्ति और हवाई सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हिदायत देते हुए कहा कि भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोग सतर्क रहें। चारधाम यात्रा केवल अत्यावश्यक होने पर ही करें और तीव्र ढलानों पर विशेष निगरानी रखें। नदियों, नालों और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोग सावधानी बरतें।प्रदेश में 41 ग्रामीण मार्ग समेत 52 सड़क बंदप्रदेश में भूस्खलन समेत अन्य कारणों से 41 ग्रामीण मार्ग समेत 52 मार्ग शनिवार को बंद रहे। इसमें बागेश्वर में सात, चमोली 13, चंपावत एक और देहरादून में छह मार्ग पर आवागमन ठप रहा। नैनीताल में दो, पौड़ी में तीन, पिथौरागढ़ में 11, रुद्रप्रयाग में पांच और उत्तरकाशी में दो मार्ग बंद रहे। मार्ग बंद होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चंबा में खूनी झड़प: कुत्ते के भौंकने पर छिड़ा विवाद

चंबा के बरौर गांव में कुत्ते के भौंकने को लेकर शुरू हुआ विवाद दो पड़ोसी परिवारों के बीच खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के करीब सात से आठ लोग मारपीट में शामिल बताए जा रहे हैं। घटना में पांच लोग घायल हुए हैं। बलदेव और उनके बेटे सतपाल को गंभीर चोटों के कारण मेडिकल कॉलेज चंबा से टांडा रेफर किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।कुत्ते के भौंकने की आवाज से शुरू हुई एक मामूली कहासुनी का अंजाम शुक्रवार रात बरौर गांव में ऐसा हुआ कि दो पड़ोसी परिवार आमने-सामने आ गए। बात इतनी बढ़ी कि दोनों तरफ से पत्थर और डंडे चलने के आरोप लगे। कुछ ही देर में मौके पर चीख-पुकार मच गई और पांच लोग घायल होकर अस्पताल पहुंच गए।घटना सदर विधानसभा क्षेत्र के बरौर गांव की है। बताया जा रहा है कि कुत्ते के भौंकने को लेकर पहले दोनों परिवारों में कहासुनी हुई। किसी ने शायद सोचा भी नहीं होगा कि छोटी सी बात इतनी बढ़ जाएगी। लेकिन देखते ही देखते बहस ने झगड़े और फिर मारपीट का रूप ले लिया। विवाद के दौरान दोनों परिवारों के करीब सात से आठ लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थरों और डंडों से हमला करने के आरोप लगाए हैं।मारपीट में बलदेव और उनके बेटे सतपाल को गंभीर चोटें आईं। दोनों को मेडिकल कॉलेज चंबा ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर कर दिया। वहीं रैणो देवी और नरेश कुमार का मेडिकल कॉलेज चंबा में उपचार चल रहा है। तरुण कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।दोनों पक्ष पहुंचे पुलिस के पासघटना के बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया। दोनों परिवारों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने दोनों शिकायतों के आधार पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। अब पुलिस घायलों के बयान दर्ज करने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर विवाद की शुरुआत किस बात से हुई और मारपीट के दौरान घटनाक्रम किस तरह आगे बढ़ा। पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच जारी है।

मणिपुर में फिर हिंसा: नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी

मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार को दो उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी में एक की मौत और छह लोग घायल हो गए। वहीं, थौबल में एक तेल पंप पर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

नोनी में दो गुटों के बीच क्यों हुई गोलीबारी?

पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के नोनी जिले में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन (ZUF-K) और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेंचुई (ZUF-J) के कैडरों के बीच टकराव हुआ। इस दौरान दोनों पक्षों में गोलीबारी हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतक की पहचान 37 वर्षीय जांगैलिंग गोनमेई के रूप में की है।

पुलिस के अनुसार, घायलों में से पांच को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी की हालत फिलहाल स्थिर है। एक अन्य घायल को इंफाल के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थौबल में तेल पंप पर ग्रेनेड से धमाका

मणिपुर के थौबल जिले में भी शनिवार शाम एक अलग घटना सामने आई। पुलिस के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोगों ने एक तेल पंप पर ग्रेनेड फेंका। आरोपी शाम करीब 6:30 बजे एक कार से वहां पहुंचे और परिसर के अंदर खड़े एक तेल टैंकर के पास ग्रेनेड फेंक दिया। धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान के लिए तेल पंप और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमले के पीछे कौन लोग थे और घटना का मकसद क्या था।

समय रैना के कॉमेडी शो की कौन सी बात पर मचा बवाल?

कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार मामला उनके शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सीजन 2 के हालिया एपिसोड में बिहार और कश्मीरी पंडितों को लेकर हुई टिप्पणियों से जुड़ा है। एपिसोड की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इन टिप्पणियों को लेकर विवाद शुरू हुआ। कुछ नेताओं ने भी इस पर आपत्ति जताई है।

ऐसे में आइए जानते हैं कि शो में आखिर क्या हुआ? किस बात पर विवाद हो रहा है? समय का कश्मीर से क्या नाता है? सोशल मीडिया पर यूजर्स क्या कह रहे हैं? नेताओं ने इस पर क्या कहा? इससे पहले समय रैना कब-कब विवाद में पड़े?

शो में आखिर क्या हुआ?

हालिया एपिसोड में समय रैना और कॉमेडियन शेरोन वर्मा के बीच मजाक-मजाक में एक-दूसरे की क्षेत्रीय पृष्ठभूमि को लेकर बातचीत शुरू हुई। देखते ही देखते यह बातचीत बिहार और कश्मीर से जुड़े संदर्भों तक पहुंच गई। समय रैना ने शेरोन वर्मा के बिहार से होने पर कहा, "शेरोन इतनी बिहारी हैं कि उसे लगता है कि इबोला का मतलब है किसी ने कुछ कहा है यानी बोला है।"

इस पर शेरोन ने पलटवार करते हुए कहा, "समय इतना कश्मीरी है कि उसे 'स्टोन' (नशे में धुत होना) होना पसंद है।" इसके बाद समय ने कहा, "शेरोन वर्मा एक बिहारी है जो नौकरी की तलाश में मुंबई आई थीं। बिहारी अक्सर ऐसा करते हैं।" शेरोन ने इसका जवाब देते हुए कहा, "कम से कम मैंने अपना राज्य अपनी मर्जी से छोड़ा था।"बातचीत के ये हिस्से सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद शुरू हुआ। कुछ लोगों ने इसे दोनों के बीच सामान्य रोस्ट और मजाक बताया, जबकि कुछ लोगों ने बिहार और कश्मीरी पंडितों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को लेकर आपत्ति जताई।

बातचीत के ये हिस्से सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद शुरू हुआ। कुछ लोगों ने इसे दोनों के बीच सामान्य रोस्ट और मजाक बताया, जबकि कुछ लोगों ने बिहार और कश्मीरी पंडितों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को लेकर आपत्ति जताई।

उन्होंने बताया था कि परिवार ने एक रात अचानक सामान बांधा और यह सोचकर कश्मीर छोड़ा था कि कुछ हफ्तों बाद वापस लौट आएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कई साल बीत गए।

समय ने यह भी बताया था कि उस मुश्किल समय में कुछ स्थानीय कश्मीरी मुस्लिम उनके परिवार के साथ खड़े रहे। उनके दादा जरूरतमंद लोगों का इलाज करते थे और कुछ स्थानीय लोगों ने उनके परिवार को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। कश्मीर छोड़ने के बाद उनका परिवार जम्मू, दिल्ली और फिर हैदराबाद में जाकर बस गया।

ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने के बाद 11वीं के छात्र ने की खुदकुशी

महाराष्ट्र के जलगांव में ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने के बाद 17 वर्षीय 11वीं के छात्र रोहित साहेबराव धनगर ने खुदकुशी कर ली। रक्षाबंधन पर बहन से राखी बंधवाने के बाद उसने भावुक संदेश और वीडियो भेजे। बहन से उसने माता-पिता को अकेला न छोड़ने की अपील की। आखिर ऑनलाइन गेमिंग में ऐसा क्या हुआ कि रोहित ने इतना बड़ा कदम उठा लिया? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

जलगांव में ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने के बाद 17 वर्षीय 11वीं कक्षा के छात्र रोहित साहेबराव धनगर ने खुदकुशी कर ली। घटना से पहले रक्षाबंधन के दिन रोहित अपने पिता के साथ बहन से मिलने गया था। उसने बहन से राखी बंधवाई और फिर घर लौट आया। इसके बाद उसने सोशल मीडिया पर बहन के साथ अपनी तस्वीर और भावुक संदेश पोस्ट किया। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

बहन को क्या था रोहित का आखिरी संदेश?

रोहित ने अपनी बहन को संदेश भेजकर लिखा, "हैप्पी रक्षाबंधन दीदी... प्लीज मम्मी-पापा को अकेला मत छोड़ना।" इसके अलावा उसने अपने एक दोस्त को वीडियो संदेश भी भेजा। उसमें उसने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग में उसके पैसे डूब गए हैं और वह जा रहा है। संदेश मिलने के बाद दोस्त और अन्य लोग उसके घर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

रोहित ने सोशल मीडिया पर क्या लिखा था?

रोहित ने सोशल मीडिया पर एक और भावुक स्टेटस पोस्ट किया था। इसमें उसने लिखा था कि जब वह अगली बार वापस आएगा तो सबका चहेता बन जाएगा। उसने अपने संदेश में सारे दाग मिटाने और किसी की आंखें नम नहीं होने की बात भी लिखी। उसके इन संदेशों से परिवार और दोस्तों को घटना से पहले उसकी भावनात्मक स्थिति का अंदाजा हुआ।

रक्षाबंधन के दिन क्या हुआ था?

रोहित रक्षाबंधन पर अपने पिता के साथ बहन से मिलने पहुंचा था। बहन ने उसे राखी बांधी और इसके बाद वह घर लौट आया। घर पहुंचने के बाद उसने बहन के साथ तस्वीर साझा की और भावुक संदेश लिखा। कुछ समय बाद उसने दोस्त को वीडियो संदेश भेजा। दोस्त और अन्य लोग जब उसके घर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है।

ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने की बात क्यों अहम?

रोहित के दोस्त को भेजे गए वीडियो संदेश में ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने की बात सामने आई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इसी नुकसान के बाद उसने यह कदम उठाया। हालांकि, उसके संदेशों में दिखाई दे रही परेशानी और घटना के बीच पूरी स्थिति की जांच जरूरी है। 17 साल की उम्र में हुई इस घटना ने परिवार और आसपास के लोगों को झकझोर दिया है।

डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध पर न्यायपालिका सक्रिय

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (CJI) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि भारतीय न्यायपालिका डिजिटल अरेस्ट जैसे तेजी से उभरते धोखाधड़ी के तरीकों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है और ऐसे मामलों में संसद की ओर से कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ आर्थिक अपराधों के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव हो रहा है और न्यायपालिका को इन चुनौतियों के अनुरूप अपनी भूमिका निभानी होगी। लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने शनिवार को (ब्रिटिश समय) डिजिटल अरेस्ट का उदाहरण देते हुए बताया कि ऐसे मामलों में साइबर ठग पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों या सरकारी नौकरशाहों का रूप धारण कर वीडियो कॉल के जरिए लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं। चीफ जस्टिस ने किन बातों को रेखांकित कियासुप्रीम कोर्ट ने इस उभरते साइबर फ्रॉड को गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है।ऐसे मामलों में अपराध निर्धारित करने के अलग प्रावधान और नुकसान के अनुरूप सजा के नियम बनाने चाहिए।आरोपी को गिरफ्तारी ककारण लिखित रूप में बताए जाने चाहिए।बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के बावजूद वैश्विक पैमाने पर अवैध धन की बरामदगी बेहद कम, ये चिंताजनक।आर्थिक अपराध और अवैध संपत्ति की वापसी के लिए देशों के बीच सहयोग अहम।
आर्थिक अपराध से कैसे निपटें, न्यायपालिका ने क्या किया ?
न्यायपालिका की तरफ से की गई पहल का उल्लेख करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा, डिजिटल अरेस्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को इस समस्या का आकलन विस्तार से करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, यह भारतीय न्यायपालिका के उस व्यापक

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (CJI) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि भारतीय न्यायपालिका डिजिटल अरेस्ट जैसे तेजी से उभरते धोखाधड़ी के तरीकों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है और ऐसे मामलों में संसद की ओर से कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ आर्थिक अपराधों के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव हो रहा है और न्यायपालिका को इन चुनौतियों के अनुरूप अपनी भूमिका निभानी होगी। लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने शनिवार को (ब्रिटिश समय) डिजिटल अरेस्ट का उदाहरण देते हुए बताया कि ऐसे मामलों में साइबर ठग पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों या सरकारी नौकरशाहों का रूप धारण कर वीडियो कॉल के जरिए लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं।

चीफ जस्टिस ने किन बातों को रेखांकित किया?

- **सुप्रीम कोर्ट ने इस उभरते साइबर फ्रॉड को गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है।**
- **ऐसे मामलों में अपराध निर्धारित करने के अलग प्रावधान और नुकसान के अनुरूप सजा के नियम बनाने चाहिए।**
- **आरोपी को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताए जाने चाहिए।**
- **बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के बावजूद वैश्विक पैमाने पर अवैध धन की बरामदगी बेहद कम, ये चिंताजनक।**
- **आर्थिक अपराध और अवैध संपत्ति की वापसी के लिए देशों के बीच सहयोग अहम।**

आर्थिक अपराध से कैसे निपटें, न्यायपालिका ने क्या किया ?

न्यायपालिका की तरफ से की गई पहल का उल्लेख करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा, डिजिटल अरेस्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को इस समस्या का आकलन विस्तार से करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, यह भारतीय न्यायपालिका के उस व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें न्यायपालिका उभरते हुए धोखाधड़ी के तरीकों पर समय रहते प्रतिक्रिया देती है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत में आर्थिक अपराधों से निपटने की व्यवस्था किसी एक कानून तक सीमित नहीं है। बीते कई दशकों में व्यापक ढांचा विकसित हुआ है। इसमें कानून, जांच एजेंसियां, संस्थागत व्यवस्थाएं और न्यायिक सिद्धांतों की अपनी-अपनी भूमिका रही है।मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए बनाए गए कानून- प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA), 2002 और आर्थिक अपराध करके देश से भागने वाले आरोपियों को दंडित करने के लिए बने कानून- फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स एक्ट, 2018 का उल्लेख करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, न्यायपालिका ने हस्तक्षेप किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये व्यवस्थाएं पूरी तरह त्रुटिहीन नहीं। कई लोगों ने जांच एजेंसियों की तरफ से PMLA के कथित दुरुपयोग किए जाने की शिकायतें की हैं। गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताए जाने और उपलब्ध तथ्यों की तुलना में अधिक समय तक हिरासत में रखे जाने जैसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर स्थिति ठीक करने की कोशिश की है।

अर्थ जगत समाचार: ईरान का विदेशी व्यापार 35% घटा अमेरिका में उद्योगपतियों से मिलीं वित्त मंत्री सीतारमण

अमेरिका के साथ युद्ध और कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का असर अब ईरान की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों और ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी के कारण देश का विदेशी व्यापार करीब 35 प्रतिशत घट गया है। ईरान में वार्षिक महंगाई पिछले महीने 66 प्रतिशत पहुंच गई। सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई ने सरकार से महंगाई, बेरोजगारी और वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों से जुड़ी समस्याओं पर गंभीरता से काम करने को कहा। ईरान सरकार की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि युद्ध और प्रतिबंधों से पैदा आर्थिक दबाव से निपटना उसकी प्रमुख प्राथमिकता है। इसके तहत महंगाई रोकने, बाजार को नियंत्रित करने, रोजगार बढ़ाने, घरेलू उत्पादन में निवेश बढ़ाने और धीरे-धीरे डॉलर पर निर्भरता कम करने पर जोर दिया जाएगा। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा कि जून में अमेरिका-ईरान के बीच हुए समझौते के दौरान ईरान करीब 9 करोड़ बैरल तेल बेच सका था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका दौरे के दौरान कृषि से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक के क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपतियों से मुलाकात कर उन्हें भारत में निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए आमंत्रित किया। शुक्रवार को शिकागो में हुई इस बैठक में शील्ड एआई के सह-संस्थापक व अध्यक्ष ब्रैंडन त्सेंग, हयात के अध्यक्ष एवं सीईओ मार्क एस होप्लामेजियन, मोंडेलेज इंटरनेशनल के कार्यकारी उपाध्यक्ष व सीओओ लूका जारामेला, आर्चर डेनियल्स मिडलैंड (एडीएम) के कार्यकारी उपाध्यक्ष व सीएफओ मोनिश पटोलावाला और विस्टीऑन कॉरपोरेशन के अध्यक्ष व सीईओ सचिन लावंदे शामिल हुए।

अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री सीतारमण: जी-20 बैठक से निवेशकों तक पर होगी नजर, छह दिन के दौरे में और क्या-क्या?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कनाडा के बाद छह दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत में निवेश के अवसर बढ़ाना, अमेरिका के साथ आर्थिक और वित्तीय संबंध मजबूत करना और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर भारत का पक्ष रखना है। आईए जानते हैं उनके इस दौरे के कार्यक्रम के बारे में। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण छह दिन के दौरे पर अमेरिका पहुंची हैं। इस दौरान वह जी-20 वित्त मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगी। निवेश के मौकों पर चर्चा करने के लिए सीईओ और बिजनेस लीडर्स के साथ बातचीत करेंगी।कनाडा की तीन दिन की यात्रा के बाद सीतारमण गुरुवार को शिकागो के ओ'हेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचीं, जहां उन्होंने पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय वार्ता में हिस्सा लिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय दूतावास की डिप्टी चीफ ऑफ मिशन नामग्या सी. खम्पा और शिकागो में भारत के कॉन्सल जनरल सोमनाथ घोष ने उनका स्वागत किया।

शिकागो यूनिवर्सिटी के पोल्स्की सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन का भी दौरा करेंगी।

वह एंटरप्रेन्योरशिप, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी के कमर्शियलाइजेशन और भारत के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप और

इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ संबंध मजबूत करने पर बात करेंगी।

शिकागो में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगी।

नॉर्थ कैरोलिना के ऐशविले में होने वाली जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (FMCBG) की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी करेंगी।

यह बैठक अमेरिका की अध्यक्षता में हो रही है।

31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली इस बैठक में जी-20 सदस्य देशों के वित्त मंत्री, केंद्रीय बैंक गवर्नर और वरिष्ठ आर्थिक अधिकारी शामिल होंगे।

वे प्रमुख वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

यह बैठक 29 और 30 अगस्त को होने वाली जी-20 वित्त और केंद्रीय बैंक के डिप्टी अधिकारियों की बैठक के बाद होगी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, जी-20 फाइनेंस ट्रैक में भारत की भागीदारी वैश्विक आर्थिक विकास और स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग और उभरती व विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण अन्य मुद्दों पर चर्चा में योगदान के लिए एक अहम मंच है। इस भागीदारी से भारत को मौजूदा वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर अपने विचार रखने और जी-20 सहयोगियों के साथ सहयोग मजबूत करने का मौका भी मिलेगा।

एक्सप्लेनर: 22,000 करोड़ का मामला 6.5 करोड़ में निपटा सुभाष चंद्रा मामले में कैसे चली देनदारी पर कैंची?

नुकसान सहने का उदाहरण हाल में बैंक ऑफ बड़ौदा मामले में भी देखने को मिला था। यूएई के चर्चित एनएमसी हेल्थकेबर घोटाले में 4 अरब डॉलर का कर्ज छुपाने के आरोप लगे थे। आइए जानते हैं कि कॉरपोरेट विवादों को बट्टे खाते में डालने पर क्यों उठ रहे हैं सवाल? आखिर एचडीएफसी बैंक क्यों कर रहा है विरोध? नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की दिल्ली बेंच द्वारा एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी मामले में दिए गए ताजा आदेश ने भारतीय बैंकिंग और कॉरपोरेट जगत के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बाद देश की नियामकीय प्रक्रियाओं को लेकर नई बहस छिड़ गई है। क्या भारत में नुकसान सहकर ऐसे मामले दबाने की परंपरा बनती जा रही है?कॉरपोरेट देनदारियों और भारी नुकसान पर समझौते का यह कोई पहला मामला नहीं है। भारतीय बैंकिंग तंत्र में विवादों और चूक को भारी रकम चुकाकर निपटाने की एक लंबी परिपाटी रही हैं।

बैंकिंग और दिवालिया कानून के लिए क्या खतरे?

यह फैसला अन्य बड़े डिफॉल्टर प्रमोटरों के लिए एक रास्ता खोलता है, जहां कंपनी का प्रमोटर या सीईओ भारी कर्ज के बदले पर्सनल गारंटी देकर बाद में नाममात्र की रकम चुकाकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकता है। यह फैसला दिखाता है कि जिस पर्सनल गारंटी को बैंक सबसे बड़ा सुरक्षा कवच मानते थे, वह व्यावहारिक रूप से बेअसर साबित हो रही है। यदि सरकार कानून में संशोधन नहीं करती या उच्च अदालतें इस पर दखल नहीं देती हैं, तो यह क्रेडिट अनुशासन और बैंकिंग व्यवस्था के लिए बड़ा झटका होगा।

पूरा मामला कैसे शुरू हुआ?

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुभाष चंद्रा के खिलाफ कर्जदाताओं के 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के इनसॉल्वेंसी दावे को मात्र 6.5 करोड़ रुपये में सेंटल करने का आदेश दिया। यह इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के इतिहास का सबसे बड़ा हेयरकट (करीब 99.97%) है। रीपेमेंट प्लान के पक्ष में 80 फीसदी से अधिक कर्जदाताओं ने बोट देकर इसे स्वीकार किया।

6.5 करोड़ रुपये का टोकन क्यों?

दिवालिया कानून के तहत पर्सनल गारंटी को कॉरपोरेट डिफॉल्ट से अलग रखकर डील करने का प्रावधान है। सुभाष चंद्रा ने इस कानूनी व्यवस्था का लाभ उठाया। अपनी व्यक्तिगत संपत्ति से मात्र 6.5 करोड़ रुपये का टोकन भुगतान देकर वे हजारों करोड़ की पर्सनल गारंटी की देनदारी से कानूनी तौर पर बरी हो गए।

नुकसान किसका हुआ?

डूबी हुई रकम आम जनता और जमाकर्ताओं की बचत थी, जो बैंकों के जरिये कर्ज के रूप में दी गई थी। बैंकों को इस भारी नुकसान की भरपाई अपनी पूंजी से प्रोविजनिंग के माध्यम से करनी पड़ेगी।

एचडीएफसी और एलआईसी क्यों कर रहे विरोध?

एचडीएफसी बैंक, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, केनरा बैंक, एक्सिस बैंक, यूनियन बैंक और आरबीएल बैंक इसके विरोध में हैं। तर्क है कि अगर हजारों करोड़ के बकाये पर पर्सनल गारंटर से महज चंद करोड़ ही वसूले जाएंगे, तो भविष्य में पर्सनल गारंटी लेने का कोई व्यावहारिक या कानूनी मतलब नहीं रह जाएगा।

जेरोधा सीईओ की पत्नी ने रक्षाबंधन पर भाई को दिए शेयर: कामथ क्या बोले? सोशल मीडिया पर मिले मजेदार रिएक्शन

पत्नी के रिटर्न गिफ्ट पर क्या बोले नितिन कामथ?

कामथ ने अपनी पोस्ट के साथ सीमा की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह मेज पर लैपटॉप के साथ बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने सीमा के फैसले के बारे में लिखा, ''मैं अब भी रक्षाबंधन पर वापसी के तोहफे की परंपरा को नहीं समझ पाया हूं। लेकिन सीमा समझती हैं; वह इस साल अपने भाई को शेयर दे रही हैं।' रक्षाबंधन के तोहफे आमतौर पर ऐसी चीजें होते हैं जिन्हें पैक किया जा सके, खोला जा सके और तुरंत इस्तेमाल या आनंद लिया जा सके। चॉकलेट खा ली जाती है, कपड़े समय के साथ भुला दिए जा सकते हैं और कॉफी मग पहले से भरी रसोई की अलमारी का हिस्सा बन सकते हैं। शेयर इससे बिल्कुल अलग तरह का तोहफा है।सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दिए मजेदार रिएक्शन

हालांकि, शेयर बाजार से जुड़े जोखिम भी होते हैं और शेयरों की कीमत बढ़ या घट सकती है। इसलिए मिठाई के डिब्बे के विपरीत इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि समय के साथ यह तोहफा अधिक मूल्यवान हो जाएगा। इसके बावजूद सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई लोगों को यह विचार पसंद आया। कामथ की पोस्ट पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी। लोगों ने इस विचार को मजेदार और मौजूदा समय के हिसाब से उपयुक्त बताया। एक यूजर ने लिखा, ''आखिरकार, ऐसा रक्षाबंधन तोहफा जिसमें चक्रवृद्धि रिटर्न मिलेगा।'' एक अन्य ने लिखा, ''हाहाहा... वह बेहतर जानती हैं।''

रक्षाबंधन के मौके पर जेरोधा के सीईओ नितिन कामथ ने अपनी पत्नी सीमा के एक दिलचस्प उपहार का जिक्र किया है। सीमा ने अपने भाई को पारंपरिक सामान देने के बजाय शेयर देने का फैसला किया। कामथ ने सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट साझा की, जिसके बाद कई यूजर्स ने इसे लेकर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। रक्षाबंधन पर आमतौर पर बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई अपनी बहनों को तोहफा देते हैं। हालांकि, अब बहनों की ओर से भाईयों को भी तोहफा देने की परंपरा तेजी से बढ़ी है। जेरोधा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन कामथ की पत्नी सीमा ने इस बार कुछ ऐसा ही किया है। हालांकि, उनका तोहफा थोड़ा अलग है। वह अपने भाई को पारंपरिक उपहार के बजाय अपनी कंपनी के शेयर दे रही हैं। कामथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सीमा के इस अनोखे रक्षाबंधन के तोहफे के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह अब भी रक्षाबंधन पर भाई-बहन के बीच उपहार देने की इस परंपरा को पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं। उनकी पोस्ट के बाद कई लोगों ने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी और कहा कि इस बार चॉकलेट, कपड़े या कॉफी मग की जगह शेयर मिलना ज्यादा बेहतर होगा।

यूजर ने क्यों बताया- अच्छा निवेश?

एक अन्य ने मजाक करते हुए लिखा, ''मुझे भी कॉफी मग नहीं, शेयर मिलने चाहिए। अपनी बहनों को टैग करना पड़ेगा।'' एक अन्य यूजर ने कहा, ''शेयर शायद रक्षाबंधन पर दिए जाने वाले तोहफे का सबसे समझदार रूप हैं। चॉकलेट खा ली जाती है, कपड़े भुला दिए जाते हैं,

Gold-Silver Price: सोने की चमक फिर बढ़ी, चांदी 2.5 लाख के पार; तांबा-जिंक समेत इन धातुओं में भी बढ़े दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने ने सोमवार को 4729.70 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ। वहीं घरेलू बाजार एमसीएक्स पर सोने ने 1.43 फीसदी की तेजी के साथ 164,758 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी में भी लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त जारी रही। सोमवार को यह 3,500 रुपये चढ़कर 2,53,500 रुपये प्रति किलोग्राम के चार महीने से अधिक के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई। कॉमेक्स पर चांदी ने 69.66 डॉलर प्रति औंस का शीर्ष स्तर छुआ।

एल्युमीनियम और जिंक में गजब की तेजी

पिछले दो महीने में तांबा 9.68%, एल्युमीनियम 4.88 फीसदी और जिंक 15.48 फीसदी चढ़ा है। जबकि एक साल में तांबा 54.74 फीसदी, एल्युमीनियम 38.45 फीसदी, लेड 9.24 फीसदी और जिंक 55.46 फीसदी महंगा हुआ है।

Gold-Silver Price: त्योहारों से पहले सोना-चांदी समेत औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और लेड महंगे होने से पंखे, एसी, फ्रिज, टीवी, वाहन और घर बनाने की लागत बढ़ सकती है। ऐसे में क्या आने वाले दिनों में आम लोगों की जेब पर महंगाई का बोझ और बढ़ेगा? पढ़िए रिपोर्ट-त्योहारों से ठीक पहले कमोडिटी बाजार में हलचल मची हुई है। कीमती धातुओं और औद्योगिक धातुओं दोनों में एकसाथ तेजी आ रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा बॉन्ड बायबैक कार्यक्रम के विस्तार के बाद डॉलर सूचकांक गिरकर 98 के स्तर पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सभी धातुओं की कीमत डॉलर में तय होती है। डॉलर कमजोर होने पर खरीदारों के बीच मेटल्स की मांग बढ़ गई है, जिसका असर कीमतों पर दिखाई दे रहा है। अगर कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो जल्द ही तमाम चीजें महंगी होंगी।

The Bonus Market Update: शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद सेंसेक्स और निफ्टी सपाट

एनएसई पर बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बीईएल, एटरनल, ओएनजीसी, टाटा स्टील, इंफोसिस, रिलायंस, सिप्ला, अदाणी पोर्ट्स और ट्रेंट शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को, ग्रासिम, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, कोल इंडिया, टीसीएस और मारुति शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में रहे। बीएसई पर टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल और एटरनल शीर्ष लाभ वाले शेयर थे। एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, हिंडाल्को, टीसीएस, मारुति और इंडिगो शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में शामिल थे।बाजार विश्लेषक विपिन डिक्सना के अनुसार, आज की शुरुआत "उत्साहजनक" थी, क्योंकि निफ्टी ने कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एनवीडिया के मजबूत नतीजों के कारण सकारात्मक रुख के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अब यह देखना होगा कि बाजार इन शुरुआती बढ़त को बनाए रख पाता है या नहीं। डिक्सना ने बताया कि कल की कमजोरी मुख्य रूप से आईटी शेयर और रिलायंस के कारण थी।

भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने गुरुवार को तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एनवीडिया के मजबूत नतीजों से बाजार को समर्थन मिला। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिकी और सूचकांक जल्द ही नकारात्मक दायरे में फिसल गए। ऑटो और सीमेंट शेयरों पर दबाव साफ देखा गया।निफ्टी 24,277.60 पर खुला और रिपोर्टिंग के समय 24,194.40 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर 24,207.75 से 13.35 अंक या 0.06 फीसदी नीचे था। इसी तरह, सेंसेक्स 77,576.76 पर खुला और 77,452.09 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर 77,472.94 से 20.85 अंक या 0.03 फीसदी नीचे था। अधिकांश व्यापक बाजार सूचकांक सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। हालांकि, क्षेत्रवार निफ्टी ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, सीमेंट और पीएसयू बैंक सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान में थे। कमोडिटी बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 87.39 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि कच्चा तेल करीब 81.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

ऑस्कर ने शेयर किया दीपिका पादुकोण की इस फिल्म का खास सीन

Yeh Jawaani Hai Deewani: 'द एकेडमी' ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर बॉलीवुड फिल्म का एक खास सीन शेयर किया है। वीडियो में फिल्म के एक संवाद को हाइलाइट किया गया है। इस पर यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऑस्कर अवॉर्ड देने वाली संस्था 'द एकेडमी' अक्सर बॉलीवुड फिल्मों के कुछ खास सीन अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर करती है। हाल ही में संस्था ने दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर की अदाकारी वाली फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' का एक अहम सीन अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। वीडियो के साथ एक बेहतरीन कैप्शन भी लिखा गया है।

वीडियो में क्या है?

संस्था ने जो क्लिप शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक सनसेट पॉइंट पर बैठे हैं। रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण से कहते हैं 'और अगर हमें बाद में पता चला कि वो लाइट और डांस शो बहुत अच्छा था तो?' इस पर दीपिका कहती हैं 'वो तो होगा ही धांसू। पर अगर हम चले गए तो ये सॉलिड सनसेट मिस हो जाएगा। जितना भी कोशिश कर लो बनी, जिंदगी में कुछ ना कुछ तो छूटेगा ही। तो जहां हैं वहीं का मजा लेते हैं।'

क्या है कैप्शन?

वीडियो शेयर करते हुए एकेडमी ने लिखा 'नैना की तरफ से आपको याद दिला दें कि जहां हैं, उसका मजा लें। फिल्म 'ये जवानी है दीवानी'। इसके निर्देशक अयान मुखर्जी हैं। लेखक हुसैन दलाल और अयान मुखर्जी हैं। इसमें रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर, कल्कि कोचलिन, कुणाल रॉय कपूर और फारूक शेख हैं।'

यूजर ने किए कमेंट

वीडियो क्लिप पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'हम सबकी तरह द एकेडमी भी दीपिका से प्यार करती है।'

दूसरे यूजर ने लिखा 'यह फिल्म हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी।'

तीसरे यूजर ने लिखा 'हम सिर्फ नैना को पसंद करते हैं, उसका ही नाम लेने के लिए धन्यवाद। अदिति के साथ वह इस फिल्म की असली जान है।

- ये जवानी है दीवानी' का कलेक्शनबता दें कि फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' 31 मई 2013 को रिलीज हुई थी।
- इसका बजट 45 करोड़ रुपये था।
- बॉक्स ऑफिस पर इसने 326 करोड़ रुपये कमाए थे।
- दोबारा रिलीज होने पर इसने 26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।
- फिल्म की कहानी दोस्ती, प्यार, सपनों और जिंदगी के सफर पर आधारित है।

कृति सेनन: ज्वेलरी ब्रांड ने क्यों हटाया रक्षाबंधन वाला विज्ञापन?

Kriti Sanon Advertisement Controversy: कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन विवाद मामले पर अब ज्वेलरी ब्रांड ने सफाई दी है। उन्होंने कृति सेनन का समर्थन करते हुए बताया है कि उन्होंने अपना विज्ञापन क्यों हटाया है। रक्षाबंधन के मौके पर कृति सेनन अपने एक विज्ञापन में रिवीलिंग कपड़े पहनने को लेकर चर्चा में आ गईं। उनके पहनावे और रक्षाबंधन के त्योहार को दिखाए जाने के तरीके पर उनकी और ज्वेलरी ब्रांड की काफी आलोचना हुई। इसके बाद ज्वेलरी ब्रांड ने यह विज्ञापन हटा दिया। अब इस मामले पर ज्वेलरी ब्रांड ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

ब्रांड ने दिया कृति का साथ

ज्वेलरी ब्रांड को कृति सेनन वाले रक्षाबंधन के विज्ञापन को हटाने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा था। अब ब्रांड ने विज्ञापन को लेकर अपनी सफाई में कहा है कि उसका मकसद कभी भी धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। ब्रांड ने कृति सेनन का समर्थन किया है।

कृति को लेकर क्या बोला ज्वेलरी ब्रांड?

ब्रांड के फाउंडर ने एक बयान में कहा 'मैं कृति के साथ रक्षाबंधन कैंपेन को लेकर हो रही बातचीत पर नजर रख रहा हूं, खासकर इस धारणा पर कि हम कैंपेन या उसके पीछे के संदेश के साथ खड़े नहीं रहे। मैं साफ करना चाहता हूं कि कैंपेन के पीछे की सोच को लेकर हमारा भरोसा अब भी वैसा ही है। यह कैंपेन कृति के साथ मिलकर बनाया गया था और इसमें रक्षाबंधन को ऐसे तरीके से मनाने का साझा विश्वास झलकता है, जिससे परिवार एक साथ आएं। हम कैंपेन के मकसद और भावना को लेकर कृति के साथ पूरी तरह सहमत है।

विज्ञापन हटाने की क्या है वजह?

इसमें आगे कहा गया, 'वीडियो को हटाने का फैसला तुरंत लिया गया क्योंकि हमारे कुछ स्टोर्स के आसपास हालात बिगड़ गए थे। ऐसी घटनाएं हो रही थीं, जिनसे हमारी ऑन-ग्राउंड टीमों के लिए असुरक्षित माहौल बन रहा था। उस समय, हमारी पहली जिम्मेदारी अपने ऑन-ग्राउंड लोगों और स्टोर्स की शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना था। मैं कभी नहीं चाहूंगा कि उन्हें कोई नुकसान पहुंचे।'

- आपको बता दें कि यह विवाद एक ज्वेलरी ब्रांड के हालिया रक्षाबंधन विज्ञापन से शुरू हुआ।
- इसमें कृति सेनन ने त्योहार की रस्में निभाते हुए लहंगा, डीप-नेक ब्लाउज और केप पहना था।
- हालांकि कई लोगों को उनका लुक पसंद आया।
- मगर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके पहनावे पर सवाल उठाए और इसे त्योहार के लिए अनुचित बताया।
- इसके जवाब में, ज्वेलरी ब्रांड ने विज्ञापन हटा दिया और कहा कि उसका मकसद धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

क्या 'टॉक्सिक' को मिला रक्षाबंधन का फायदा?100 करोड़ पार हुई 'इरुमुडी' जानें 'हनुमान अंश' का कलेक्शन

Toxic Box Office Collection: फिल्म 'टॉक्सिक' की कमाई पहले के मुकाबले घटी है। हालांकि इसने तीन दिनों में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जानिए रक्षाबंधन के दिन 'इरुमुडी', 'हनुमान अंश' और 'आवारापन 2' ने कितनी कमाई की है। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' को रिलीज हुए तीन दिन हो गए हैं। पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटा और इसकी कमाई 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हुई। दूसरे दिन इसके कलेक्शन में गिरावट आई। तीसरे यानी रक्षाबंधन के दिन इस फिल्म ने अच्छी कमाई की मगर इसके कलेक्शन में गिरावट देखने को मिली। जानिए इस फिल्म के साथ 'इरुमुडी' और 'हनुमान अंश' ने कितना कलेक्शन किया है।

'टॉक्सिक' की तीसरे दिन की कमाई

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत हैं।

- पहले दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 101.10 करोड़ रुपये से खाता खोला।
- दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में गिरावट आई और इसने 36.40 करोड़ रुपये कमाए।
- तीसरे यानी रक्षाबंधन के दिन इसने 26.60 करोड़ रुपये कमाए हैं।
- इस फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 165.35 करोड़ रुपये हो चुका है।

टॉक्सिक' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन

भारत में यह फिल्म अभी अच्छी कमाई कर रही है। दुनियाभर में भी इस फिल्म ने बेहतरीन कलेक्शन किया है। भारत में फिल्म 'टॉक्सिक' ने ग्रॉस 197.70 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं दूसरे दिन ओवरसीज इसने 23.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह से इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 221.45 करोड़ रुपये हो गया है। साउथ की फिल्म 'इरुमुडी' 21 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने उम्मीद से ज्यादा अच्छा कलेक्शन किया है। फिल्म रिलीज के बाद से ही शानदार कलेक्शन कर रही है। इसमें रवि तेजा हैं

सातवें दिन इसने 6.90 करोड़ रुपये कमाए थे।

आठवें दिन यानी रक्षाबंधन के दिन इसने 9.70 करोड़ रुपये की कमाई की है।

इसी के साथ इसका टोटल कलेक्शन 101.85 करोड़ रुपये हो गया है

फिल्म 'हनुमान अंश' सात अगस्त को रिलीज हुई थी। 22 दिन गुजर जाने के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। खास बात यह है कि इसकी कमाई पर नई रिलीज हुई फिल्म 'टॉक्सिक' का असर भी नहीं पड़ा है। 22वें दिन यानी रक्षाबंधन के दिन इसकी कमाई 6.50 करोड़ रुपये हुई। अब इस फिल्म का टोटल कलेक्शन ₹18.38 करोड़ रुपये हो गया है।

आवारापन 2' का कलेक्शन

दूसरे शुक्रवार यानी रक्षाबंधन पर इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की फिल्म का कलेक्शन बढ़ा है।

- पहले हफ्ते में 'आवारापन 2' ने 113.50 करोड़ रुपये कमाए।
- दूसरे गुरुवार को इसने 60 लाख का कलेक्शन किया था।
- दूसरे शुक्रवार को इसने 1.20 करोड़ रुपये कमाए हैं।
- फिल्म का कुल कलेक्शन 145.45 करोड़ रुपये हो चुका है।

रक्षाबंधन पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में

फिल्म	कमाई
स्त्री 2	₹38.1 करोड़
मिशन मंगल	₹29.16 करोड़
टॉक्सिक	₹26.6 करोड़
महावतार नरसिम्हा	₹19.5 करोड़
गदर 2	₹8.75 करोड़

आवारापन 2 (Awarapan 2): इमरान हाशमी और दिशा पाटनी स्टारर यह फिल्म सिनेमाघरों में पहले ही अपनी सफलता का झंडा गाड़ चुकी है। हालांकि 'टॉक्सिक' के रिलीज होने के बाद इसकी स्क्रीन और रफ्तार पर थोड़ा असर जरूर पड़ा है। लेकिन पिछले हफ्तों की मजबूत कमाई के दम पर फिल्म का कुल भारत में नेट कलेक्शन लगभग 145-147 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है और यह 150 करोड़ के बेहद करीब है।

रक्षाबंधन 2026: कंगना ने मनाया रक्षाबंधन, भाई से कही यह बात;संजय दत्त-रणबीर की बहनों ने साझा की पुरानी तस्वीर

पूरे देश में धूम-धाम के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। बॉलीवुड सेलेब्स भी अपने तरीके से इस त्योहार को मना रहे हैं। अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी अपने भाई के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक बेहतरीन पोस्ट लिखी है।

कंगना ने अपने भाई को राखी बांधते हुए तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा...

मेरे प्यारे भाई, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि ये प्रेम का बंधन है, जो मैंने तुम्हारे हाथ पर बांधा है, ये सदा तुम्हारी रक्षा करो।

तुम हमारे माता पिता की सेवा करो। कुल की गरिमा बढ़ाओ।

पत्नी का सदा कल्याण करो। संतान की हमेशा रक्षा करो और सदा जीवन से संतुष्ट रहो।

मेरे प्यारे भाई मैं सदा तुम्हें स्वस्थ और समृद्ध देखूं।

मेरे लिए तुम मेरे माता पिता की छवि हो तुम्हारा प्रेम और संरक्षण मुझे सदा मिले।

सब भाईयों को इस अति प्रिय पर्व की बहुत शुभ कामनाएं।

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकमनाएं।

Aaj Ka Rashifal 30 August 2026

मेष और सिंह राशि वालों की चमकेगी किस्मत

Aaj Ka Rashifal 30 August 2026: ग्रह-नक्षत्रों की चाल आज सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डालेगी। कुछ राशियों को करियर और धन के मामले में लाभ मिल सकता है, तो वहीं कुछ लोगों को रिश्तों और खर्चों को लेकर सावधानी बरतनी होगी।

मेष

आज किस्मत आपके लिए नए दरवाजे खोल सकती है। पैसों से जुड़े फैसले अगर सोच-समझकर लेंगे, तो लाभ के अच्छे मौके मिलेंगे। काम के प्रति आपका उत्साह दूसरों को प्रभावित करेगा। प्रेम जीवन में रोमांस और अपनापन बढ़ेगा, जिससे मन खुश रहेगा। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करें, इससे रिश्ता और मजबूत होगा। सेहत को नजरअंदाज न करें, छोटी-सी सावधानी भी आज बड़ा फायदा दे सकती है।

वृषभ

आज आपकी बनाई योजनाएं सफलता की ओर ले जा सकती हैं। सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने से आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। परिवार में शादी या किसी शुभ समाचार की वजह से खुशी का माहौल बन सकता है। यात्रा से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण जानकारी भविष्य में आपके लिए काफी काम आ सकती है। बस गुस्से और बेवजह की बहस से खुद को दूर रखें, इससे दिन और बेहतर बना रहेगा।

मिथुन

आज खुद को बेहतर बनाने की इच्छा आपको आगे बढ़ाएगी। घर में कोई खुशखबरी मिल सकती है और माहौल उत्साह से भर सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी भी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। पिता की कोई बात आज आपको ऐसी सीख दे सकती है, जो आगे बहुत काम आए। कुल मिलाकर दिन सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों से भरा रहेगा।

कर्क

आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। नया वाहन या घर से जुड़ी कोई बड़ी खरीदारी मन को खुशी दे सकती है। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करके आपको भीतर से संतोष मिलेगा। पुराने पैसे या लेन-देन से जुड़ा मामला अचानक सामने आ सकता है, जिसे शांत दिमाग से सुलझाएं। सरकारी काम में थोड़ी देरी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह

आज आपकी मेहनत का शानदार परिणाम सामने आ सकता है। व्यापार और निवेश से लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। प्रेम जीवन में नजदीकियां और रोमांस बढ़ेगा, जबकि सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को शांति मिलेगी। घर में किसी नए शुभ कार्य की शुरुआत भी हो सकती है।

कन्या

आज आपकी मेहनत और लगन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है। नौकरी में आपकी तारीफ होगी और विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में अच्छे प्रदर्शन के संकेत हैं। हालांकि खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा। रिश्तों में मीठी वाणी और समझदारी कई उलझनों को आसानी से सुलझा सकती है। विरोधियों की गतिविधियों से सावधान रहें, लेकिन अपने फैसलों पर भरोसा बनाए रखें।

तुला

आज समझदारी से लिया गया फैसला आपके आने वाले समय को बेहतर बना सकता है। कारोबार में बनाई गई नई योजनाएं अब लाभ देने की दिशा में बढ़ेंगी। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते में नई गर्माहट और ताजगी लाएगा। गुस्सा और काम को टालने की आदत आज नुकसान कर सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखेंगे तो दिन काफी अच्छा गुजर सकता है।

वृश्चिक

आज धन और सेहत दोनों मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। पुराने विवाद के खत्म होने से मन को राहत मिलेगी और किसी पुराने दोस्त से मुलाकात बीती यादों को फिर से ताजा कर सकती है। परिवार का माहौल भी धीरे-धीरे बेहतर होगा। हालांकि विरोधियों से सतर्क रहें और किसी पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा करने से बचें।

धनु

आज सफलता आपके साथ कदम मिलाकर चल सकती है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। सम्मान या पुरस्कार मिलने से मन में गर्व और खुशी दोनों आएंगे। कारोबार की पुरानी उलझनें सुलझ सकती हैं और संपत्ति खरीदने का सपना भी पूरा होने की दिशा में बढ़ सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ा तनाव कम महसूस होगा।

मकर

आज किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू पर अच्छी तरह विचार करें। मन में चल रही उलझनों को शांत दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें। किसी नए काम की योजना आज भले छोटी लगे, लेकिन आगे चलकर बड़ा लाभ दे सकती है। विवादों से दूरी बनाए रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। मनोरंजन या छोटी यात्रा का मौका मिले तो यह मन को तरोताजा कर सकता है।

कुंभ

आज छोटी-छोटी चुनौतियां आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सावधान रहें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकता है। बढ़ते खर्चों के कारण चिंता हो सकती है, इसलिए बजट पर नजर रखें। अतीत की किसी गलती से मिली सीख आज आपको ज्यादा समझदारी से फैसले लेने में मदद करेगी। सेहत को लेकर भी लापरवाही न करें।

मीन

आज आपकी सकारात्मक सोच और उत्साह हर काम में नई चमक भर सकता है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कारोबार में बनाई गई लंबी अवधि की योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं। परिवार में अचानक मिलने वाला सरप्राइज या कोई खुशखबरी रिश्तों में और अपनापन बढ़ाएगी। सरकारी कामों में भी सफलता के संकेत हैं, इसलिए प्रयास जारी रखें।

Aaj Ka Love Rashifal

धनु-मकर के प्रेम जीवन में बनेंगे नए समीकरण रिश्ते को मिल सकती है नई दिशा

Today Love Horoscope: 30 अगस्त 2026 का लव राशिफल आपके प्रेम जीवन से जुड़े खास संकेत लेकर आया है। जानिए आज आपकी राशि के अनुसार प्यार, रिश्ते और रोमांस के मामले में दिन कैसा रहेगा। 30 अगस्त 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके प्रेम जीवन, रिश्तों और भावनाओं पर देखने को मिल सकता है। कुछ राशि वालों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी और रिश्ते में प्यार व विश्वास मजबूत होगा, वहीं कुछ लोगों को पार्टनर के साथ छोटी-मोटी गलतफहमियों का सामना करना पड़ सकता है। सिंगल लोगों की भी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होने के संकेत हैं। तो आइए जानते हैं 30 अगस्त का लव राशिफल, मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए कैसा रहेगा प्रेम जीवन और किन बातों का रखना होगा खास ध्यान।

मेष

आज पार्टनर अपने प्यार का इजहार किसी खास अंदाज में कर सकते हैं। सिंगल लोगों की मुलाकात ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जो उन्हें अच्छी तरह समझेगा। हालांकि, रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव करना होगा।

मिथुन

रिलेशनशिप में रहने वाले लोग आज पार्टनर की भावनाओं को समझने और उनका सम्मान करने की कोशिश करेंगे। साथ में कोई रोमांटिक फिल्म देखकर क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। सिंगल लोगों के लिए क्रश के साथ लंच या मुलाकात का मौका बन सकता है।

कर्क

आज पार्टनर आपकी इच्छाओं और जरूरतों का पूरा ध्यान रखेंगे। दोनों साथ मिलकर प्यार भरे और खुशनुमा पलों का आनंद लेंगे। वहीं सिंगल लोग पुराने रिश्ते या बीती यादों को लेकर भावुक हो सकते हैं।

सिंह

आज आपकी लव लाइफ में प्यार, भावनात्मक जुड़ाव और एक-दूसरे की परवाह बढ़ेगी। सिंगल लोगों को नए रिश्ते में आगे बढ़ने के लिए समझदारी और भावनात्मक गहराई दिखानी होगी। जल्दबाजी से बचना बेहतर रहेगा।

कन्या

पार्टनर का प्यार भरा अंदाज आज आपके दिल में रोमांस की नई उमंग जगा सकता है। आप दोनों एक-दूसरे के साथ खास पल बिताएंगे। सिंगल लोग बेवजह की बातों में उलझने के बजाय करियर और अपने भविष्य को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।

तुला

पार्टनर का नया अंदाज देखकर आपके बीच रोमांस और आकर्षण बढ़ सकता है। रिलेशनशिप में रहने वाले लोग आज अपनी लव लाइफ को खुलकर एन्जॉय करेंगे। सिंगल लोगों को क्रश की ओर से प्रेम प्रस्ताव मिलने की संभावना है।

वृश्चिक

आज किसी तीसरे व्यक्ति की दखल आपके रिश्ते में गलतफहमी और तनाव पैदा कर सकती है। पार्टनर से खुलकर बात करें और बाहरी लोगों की बातों पर तुरंत विश्वास न करें। सिंगल लोगों को सच्चा प्यार मिलने में अभी थोड़ा और समय लग सकता है।

धनु

आज प्रेम जीवन में सुखद और यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा। सिंगल लोगों को महसूस होगा कि उनका क्रश उनकी भावनाओं को समझता है और रिश्ते में भावनात्मक जुड़ाव को महत्व देता है। प्यार को लेकर उम्मीदें मजबूत होंगी।

मकर

पार्टनर के किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़े होने की जानकारी आपको भावुक और परेशान कर सकती है। शादी की बात को लेकर लवर कुछ न कुछ बहाना बना सकता है। वहीं सिंगल लोगों को क्रश की मीठी बातें आकर्षित करेंगी और दिल में प्यार की नई उम्मीद जगेगी।

कुंभ

आज पार्टनर रोमांटिक मूड में रहेंगे, लेकिन अपनी कल्पनाओं में भी खोए नजर आ सकते हैं। सिंगल लोगों को किसी नए रिश्ते में अपनापन, स्नेह और भावनात्मक सुरक्षा महसूस हो सकती है। रिश्ते को समय देने से जुड़ाव मजबूत होगा।

मीन

आज सेहत में थोड़ी परेशानी महसूस हो सकती है, लेकिन पार्टनर आपकी खुशी और आराम का पूरा ध्यान रखेंगे। सिंगल लोगों की मुलाकात ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जो प्यार के साथ उनका भावनात्मक रूप से भी साथ दे।

न कोई सिक्योरिटी न तामझाम: ट्रॉली बैग लेकर मेट्रो में दिखे जवागल श्रीनाथ फैंस ने कहा- यही है असली स्टार

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ की बेंगलुरु मेट्रो में सफर करते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ट्रॉली बैग के साथ आम यात्री की तरह सफर करते श्रीनाथ की सादगी ने क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। कभी भारतीय तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाले श्रीनाथ अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैच रेफरी की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट के कई सितारे मैदान से दूर होने के बाद भी फैंस की नजरों में बने रहते हैं। लेकिन कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जो किसी रिकॉर्ड या ट्रॉफी की वजह से नहीं, बल्कि खिलाड़ी की सादगी के कारण चर्चा में आ जाती हैं। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ की बेंगलुरु मेट्रो में सफर करते हुए सामने आई तस्वीर भी कुछ ऐसी ही है। तस्वीर में भारत के पूर्व पेसर हाथ में ट्रॉली बैग लिए बिल्कुल आम यात्री की तरह मेट्रो में सफर करते नजर आ रहे हैं। न कोई तामझाvम दिखाई दे रहा है और न ही उनके आसपास किसी तरह का बड़ा काफिला। यही अंदाज सोशल मीडिया यूजर्स को खासा पसंद आया।

कभी मैदान पर था 'मैसूर एक्सप्रेस' का खौफ

जवागल श्रीनाथ कर्नाटक से आने वाले भारत के सबसे प्रमुख तेज गेंदबाजों में रहे हैं। उन्हें 'मैसूर एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता था। उस दौर में जब भारतीय क्रिकेट लगातार विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों की तलाश में था, श्रीनाथ ने लंबे समय तक टीम की पेस अटैक की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने भारत के लिए 67 टेस्ट और 229 वनडे खेले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और अनुशासन के दम पर उन्होंने खास पहचान बनाई। लेकिन क्रिकेट से संन्यास लेने के वर्षों बाद उनकी चर्चा किसी गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में उनकी सादगी के कारण हो रही है। वायरल तस्वीर में श्रीनाथ जींस और हल्के नीले रंग की शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। उनके पास एक ट्रॉली बैग रखा हुआ है और वह मेट्रो में सफर कर रहे हैं। तस्वीर को देखने पर पहली नजर में ऐसा बिल्कुल नहीं लगता

उथप्पा को कहां से मिले थे ₹3.2 करोड़?

अचानक मिले पैसों से डिप्रेशन में गए थेबोले- आत्महत्या तक के ख्याल आए

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने खुलासा किया कि 2008 में मिले ₹3.2 करोड़ के पहले आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से झकझोर दिया था। अचानक मिली बड़ी रकम और उससे जुड़ी उलझनों के बीच वे क्लिनिकल डिप्रेशन में चले गए। उथप्पा ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में आत्महत्या के विचारों से भी जूझे थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था। उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए। उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि "पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। एजेंसी उथप्पा ने कहा,मुझे मेरा पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2008 में मिला था। मैं सिर्फ 21 साल का था। मैंने कभी सपने में भी इतने पैसों की उम्मीद नहीं की थी। 30 साल की उम्र में भी नहीं, 40 में भी नहीं।

Pakistan: इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू से क्यों मचा बवाल? सरफराज ने पाकिस्तान बोर्ड के विवाद से किया किनारा

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि PCB ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीसीबी ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट सिर्फ मैदान पर चल रहे मुकाबले के कारण चर्चा में नहीं है। टेस्ट के पहले दिन लंच ब्रेक के दौरान एक इंटरव्यू ने क्रिकेट से इतर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। स्काई स्पोर्ट्स पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान खान से बातचीत की। इस इंटरव्यू में दोनों ने अपने पिता की सेहत, जेल में उनके इलाज और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने ब्रिटेन सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाए। इंटरव्यू प्रसारित होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से कथित तौर पर आपत्ति जताई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने स्काई स्पोर्ट्स से इसे प्रसारित नहीं करने को कहा था। यहां तक कि इंटरव्यू प्रसारित होने पर लॉर्ड्स टेस्ट रद्द करने और तीन मैचों की सीरीज से हटने की संभावना भी जताए जाने की बात सामने आई। हालांकि, अंततः स्काई स्पोर्ट्स ने इंटरव्यू प्रसारित किया और पाकिस्तान की टीम लंच के बाद मैदान पर वापस लौट आई।

सरफराज ने कहा- मुझे कुछ नहीं पता

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उनसे पीसीबी और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) के बीच हुए कथित विवाद और खिलाड़ियों के मैदान पर नहीं उतरने की खबरों को लेकर सवाल किया गया। सरफराज ने इस पूरे मामले से अनजान होने की बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ नहीं पता। मैं सिर्फ मैच पर ध्यान दे रहा हूं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह स्काई स्पोर्ट्स पर प्रसारित इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू की बात कर रहे हैं, तो सरफराज ने कहा, 'आप इंटरव्यू की बात कर रहे हैं? हमें इंटरव्यू के बारे में कुछ नहीं पता।' इसके बाद उनसे पूछा गया कि क्या पहले दिन लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों के मैदान पर वापस नहीं लौटने की कोई संभावना थी। इस पर भी उन्होंने साफ इनकार किया। सरफराज ने कहा, 'सब ठीक है। उस समय हम लंच कर रहे थे।' इंटरव्यू से जुड़े विवाद पर सवालों के दौरान सरफराज काफी असहज नजर आए। जब उनसे पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों को दूसरे सत्र में मैदान पर नहीं उतरने की संभावना के बारे में बताया गया था, तो उन्होंने सवाल पूरा होने से पहले ही इनकार करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।'

मैदान पर वापसी: अनाया बांगड़ ने कहा- अब ऑस्ट्रेलिया में एलीट क्रिकेट खेल सकती हूं डब्ल्यूबीबीएल पर भी की बात

अनाया बांगड़ ने कहा है कि वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं और डब्ल्यूबीबीएल में जगह बनाने का लक्ष्य रखती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनका फोकस फिटनेस, स्किल्स और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी के सामने साबित करने पर है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने दावा किया है कि अब वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं। अगर वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर अपने प्रदर्शन से प्रभावित करती हैं, तो उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। अनाया ने कहा कि क्रिकेट में वापसी की संभावना उनके लिए बेहद भावुक पल है। ट्रांजिशन के बाद उन्हें क्रिकेट से दूर होना पड़ा था और एक समय उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर खत्म हो गया है।

मुझे लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया'

बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में अनाया ने कहा कि क्रिकेट बचपन से ही उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ऐसे में दोबारा मैदान पर उतरने की संभावना उनके लिए सिर्फ किसी महिला लीग में खेलने का मौका नहीं, बल्कि अपने पसंदीदा खेल में लौटने का अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं अब मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेलने के लिए पात्र हूं। मेरे लिए यह बेहद भावुक पल है, क्योंकि एक समय मुझे सच में लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया है।' अनाया के मुताबिक, ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके जीवन के सबसे कठिन अनुभवों में से एक था। अब उनका लक्ष्य प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को एक बार फिर साबित करना है।

- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नीति से खुला रास्ताऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की ट्रांसजेंडर और जेंडर-डाइवर्स खिलाड़ियों को लेकर समावेशी नीति है।
- इसकी गाइडलाइंस में कम्युनिटी क्रिकेट और एलीट क्रिकेट के बीच अंतर किया गया है और डब्ल्यूबीबीएल को एलीट प्रतियोगिता के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।
- अनाया का कहना है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने की दिशा में आगे बढ़ने की अनुमति दी है।
- हालांकि, डब्ल्यूबीबीएल में जगह मिलना अभी तय नहीं है।
- उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य खुद को शारीरिक और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि किसी डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी की नजर में वह चयन की दावेदार बन सकें। सिर्फ पात्रता से नहीं मिलेगी डब्ल्यूबीबीएल में जगहडब्ल्यूबीबीएल में विदेशी खिलाड़ियों के लिए कॉन्ट्रैक्टिंग और ड्राफ्ट की व्यवस्था है।
- ऐसे में अनाया के लिए पात्र होना पहला कदम है, लेकिन असली चुनौती मैदान पर प्रदर्शन करके किसी फ्रेंचाइजी को प्रभावित करना होगी

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300